पशुओं के लिए संपूर्ण आहार ब्लॉक

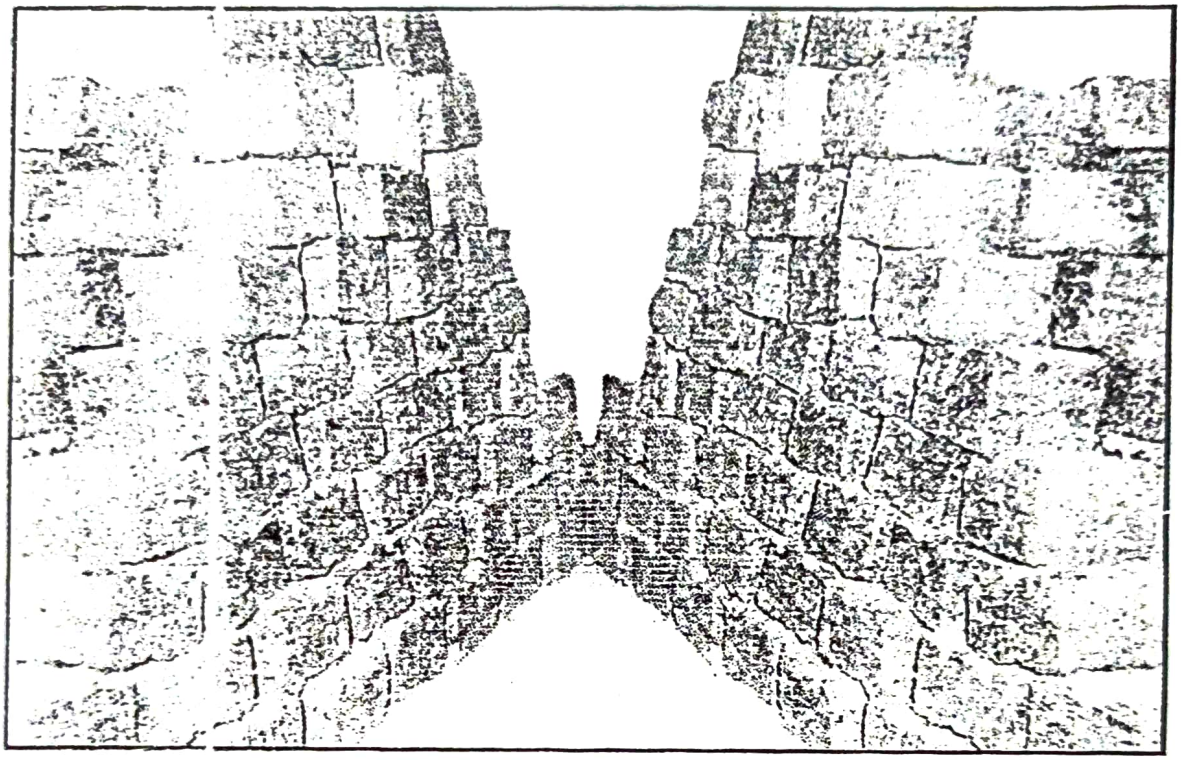

पशु पोषण विभाग

लाला लाज पतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

हिसार

हमारे देश में 45 प्रतिशत सूखे चारे, 44 प्रतिशत दाने एवं 30 प्रतिशत हरे चारे की कमी है। ऐसे में अगर फसल अवशेष और उपोत्पाद की क्षमता बढ़ाकर पशुओं को खिलाया जाये तो पशु उत्पादन बढ़ सकता है। हर साल भारत वर्ष का कुछ भाग सूखे या बाढ़ की चपेट में आ जाता है जिसके फलस्वरूप पशु व जन–आबादी बहुत प्रभावित होती है। उस अवस्था में तूड़ी व पराली जैसे मुख्य सूखे चारे को अधिकता वाले स्थानों से कमी वाले स्थानों तक ले जाया जाता है। लेकिन इन सूखे चारों का घनत्व कम होने के कारण इनको वाहन में लादना व ले जाना बहुत अधिक खर्चीला तथा असुविधाजनक होता है। अतः इन सुखे चारों में आवश्यकता अनुसार दाना, खनिज लवण मिलाकर एक विशेष मशीन द्वारा ब्लॉक के रूप में बदला जाता है। इस प्रकार से तैयार किया गया आहार कई प्रकार से उपयोगी सिद्ध होता है।

संपूर्ण आहार ब्लॉक

यह फसल अवशेष, दाना और उपोत्पाद को मिला कर पशुओं का आहार बनाने का एक भौतिक तरीका है। इसमें कोई रसायन पदार्थ का प्रयोग नहीं किया जाता। इस विधि में पशु आहार के लिये निम्नस्तरीय चारे को दाने के साथ निश्चित मात्रा में मिलाकर ब्लॉक बनाने वाली मशीन में 4500 पौंड प्रति स्क्वेयर इंच के दबाव से संपूर्ण आहार ब्लॉक बनाये जाते है। इस मशीन में 25 हार्स पावर की बिजली की मोटर लगी होती है।

संपूर्ण आहार ब्लॉक के लाभ

- ब्लॉक बनाने में कम गुणवत्ता वाले सूखे चारे जैसे धान का पुवाल, गन्ने की खोई और सरसों की भूसी इत्यादि का उपयोग भी किया जा सकता है जिन्हें पशु आमतौर पर न के बराबर खातें है।
- ब्लॉक को वाहन में लादना व ले जाना कम खर्चीला तथा सुविधाजनक होता है।
- शहरों में उपलब्ध कम स्थान में भी इनका भण्डारण किया जा सकता है।
- पूर्ण आहार ब्लॉक बनाने में गोलीदार आहार बनाने से कम खर्चा होता है।
- इसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ इस रूप में विद्यमान होते है कि पशु अपनी इच्छा अनुसार विभिन्न अशों की छटनी करके न खा सके।
- इसमें सूखा चारा तथा दाना आवश्यक अनुपात में डाला जाता है।
- यह पशुओं द्वारा अधिक चाव से खाया जाता है।

- लम्बे समय तक रखरखाव से भी खराब नहीं होता ।
- इसके खिलाने से पशुओं की उर्जा, प्रोटीन, खनिज लवण तथा विटामिनों की आवश्यकता पूरी हो जाती है।
- पूर्ण आहार ब्लॉक बनाने से सूखे चारे का घनत्व चार गुणा बढ़ जाता है।
- संसोधन विधि द्वारा तैयार होने के कारण इसमें पाचक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है।
- परम्परागत तरीके से खिलाने के बजाए पूर्ण आहार ब्लॉक के रूप में खिलाने से दूध की मात्रा बढ़ जाती है।

आहार ब्लॉक बनाने की विधि

- पशुओं की विभिन्न अवस्थाओं के लिए तालिका अनुसार विभिन्न घटकों को मिला लिया जाता है।
- पानी की मात्रा इस प्रकार ली जाती है कि मिश्रण में नमी 17 प्रतिशत हो जाए।
- इन सबको अच्छी तरह मिला लिया जाता है और 12–24 घण्टों के लिए छोड़ दिया जाता है ताकि तुड़ी या पराली के कण नमी सोख कर समरूप हो जाएं।
- अब खाद्य मिश्रण को एक विशेष मशीन में भर कर ब्लॉक में बदल दिया जाता है।
- पूर्ण पशु आहार ब्लॉक में हरा चारा भी 96 घण्टें तक सुखाने के बाद सम्मिलित किया जा सकता है।

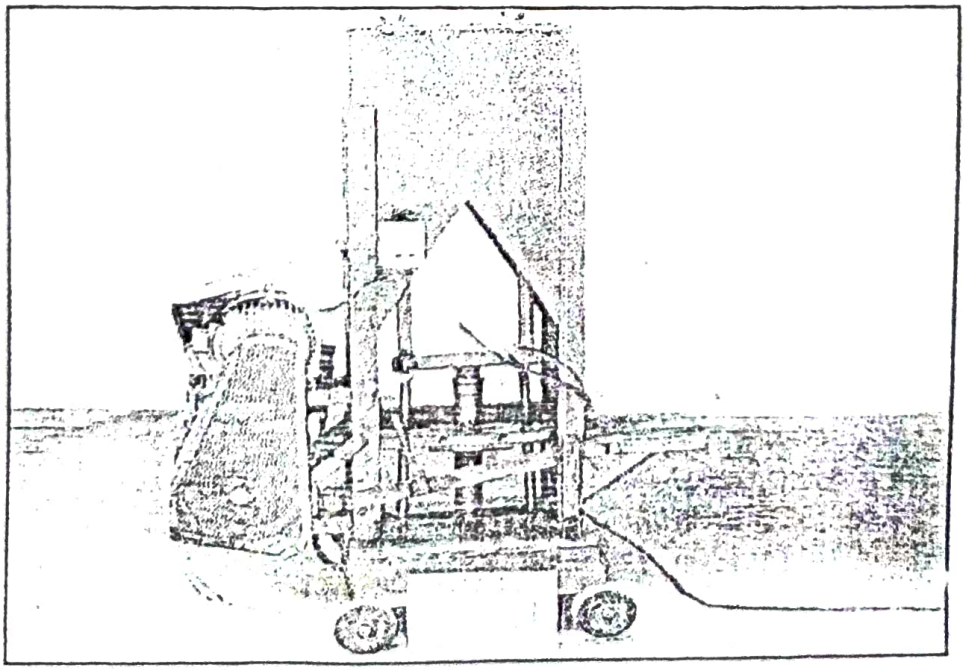

आहार ब्लॉक बनाने की मशीन

तालिका: पूर्ण आहार ब्लॉक में विभिन्न घटकों का अनुपात व पोषक तत्त्वों की मात्रा

खाद्य पदार्थ (कि.ग्रा./100 कि.ग्रा.)	पशुओं की श्रेणी		
	भरण पोषण	विकासशील	दुधारू
तुड़ी /पराली	74	60	30
बरसीम	–	–	30
सरसों की खल	–	19	15
चावल का चोकर (तेल रहित)	9	5	–
जौ	–	–	10
यूरिया	2	1	–
शीरा	10	10	10
खनिज मिश्रण	2	2	2
नमक	1	1	1
चूना	2	2	2
विटामिन	25 ग्राम	25 ग्राम	25 ग्राम
पोषक तत्व (प्रतिशत)			
कुल प्रोटीन	9.5	12	9.6
पचनीय प्रोटीन	5.5	8.0	7.7
कुल पचनीय तत्व	58.5	61.5	62.6